(घ) परिवार कल्याण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिये एक स्पष्ट कार्य-नीति तैयार की गई है । इस कार्य-नीति की मुख्य-मुख्य बातें इस प्रकार है :—

बहु प्रचार साधनों के सुविचारित उपयोग तथा पारस्परिक संचार की कार्यनीतियों के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें जानकारी देने के जोरदार प्रयास; परिवार नियोजन अपनाने वालों को यथासम्भव उनके घरों के नजदीक सेवाओं और सामग्री की व्यवस्था; महिला साक्षरता में तेजी से वृद्धि लाने के लिये सुविधायें जुटाना; स्कूलों, कालेजों तथा इनसे बाहर के युवकों को जनसंख्या शिक्षा देना ; लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों की मदद और समर्थन प्राप्त करना ; दूसरे संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ उपयुक्त सम्पर्क स्थापित करना ; परिवार नियोजन अपनाने वाले व्यक्तियों और राज्य सरकारों को प्रोत्साहन देना तथा सभी स्तरों पर कार्यक्रम पर बराबर निगरानी रखना और अनुवर्ती कार्य करना ।

**Sangam Express**

1766. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) wheher it is a fact that the General Manager, Northern Railway had assured ihe Meemt Chamber of Commerce last y$^{ear}$ to attach a diesel engine to the "Sangam" Express from Meerut city with a view to increasing the capacity of this train; and

(b) if so, what steps have been taken in this regard?

THE MINISTER OF RAILWAYS <SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY): (a) Sir, no assurance was given fast year by General Manager Northern Railway to the Meerut Chamber of Commerce to dieselise 163/164 Sangam Express..

(b) Does not ariss.

**सीने का एक्सरे**

1767. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार सीने के अत्याधिक एक्सेरे लेने पर कोई रोक लगाने का विचार रखती है ; ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी कुमुद बेन एम०जोशी):** क्षय रोगियों का पता लगाने के लिये बड़े पैमाने पर छोटे एक्सरे लेकर जांच करना राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यक्रम का एक अनिवार्य अंग है । इस प्रक्रिया को समाप्त करने का कोई विचार नहीं है ।

**चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि पर चिन्ता**

1768. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय चिकित्सा परिषद् ने चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि होने और इन महाविद्यालयों में शिक्षा स्तर में गिरावट आने के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द)** : (क) और (ख) भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् ने शिक्षा का जो स्तर निर्धारित किया है उसके संबंध में उसने कतिपय मेडिकल कालेजों में कुछ कमियां पाई हैं । इस परिषद् ने